Chapter- 5

पुष्प की अभिलाषा

STUDY NOTES

विषय सारांश

- श्री माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित 'पुष्प की अभिलाषा कविता एक देशप्रेम मूलक कविता है।
- फूल अप्सराओं के गहनों में गूँथना नहीं चाहता है।
- प्रेमीमाला में पिरोकर प्यारी को नहीं ललचाना चाहता।
- सम्राटों के शव पर डाला जाना नहीं चाहता।
- देवताओं के शीश पर चढ़कर अपने भाग्य पर घमंड करना नहीं चाहता।
- फूल माली से प्रार्थना करता है कि माली उसे तोड़कर उस रास्ते पर फेंक दे जिस रास्ते पर अनेक वीर अपना बलिदान देने के लिए जाते हैं।
- उन वीरों का सम्मान करना जिन्होंने देश की रक्षा में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अभ्यास के लिए

१. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास -

अभिलाषा	सुरबाला	गूँथा	ललचाऊँ	सम्राट
भाग्य	वनमाली	पथ	मातृभूमि	वीर

२. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए –

क) कविता में किसकी अभिलाषा के बारे में बताया गया है ?

उ- कविता में पुष्प की अभिलाषा के बारे में बताया गया है।

ख) पुष्प किसमें बिंधना नहीं चाहता ?

उ- पुष्प प्रेमी-माला में बिंधना नहीं चाहता।

ग) पुष्प बनमाली से क्या कह रहा है ?

उ- पुष्प वनमाली से कह रहा है कि माली उसे तोड़कर उस रास्ते पर फेंक दे जिस रास्ते पर अनेक वीर अपना बलिदान देने के लिए जाते हैं।

घ) पुष्प की अभिलाषा कविता में कौन-सा भाव प्रकट होता है ?

उ- पुष्प की अभिलाषा कविता में देश-प्रेम भाव प्रकट होता है।

लिखित –

१. सही उत्तर चुनकर खाली स्थान पर लिखिए –

क) पुष्प की अभिलाषा कविता के कवि .... हैं।

i) सुमित्रानं दन पंत ii) शैल चतुर्वेदी iii) मोहनलाल चतुर्वेदी iv) माखनलाल चतुर्वेदी

ख) फूल तोड़ने के लिए .... आया है।

i) माली ii) वनमाली iii) चौकीदार iv) सेवक

ग) 'पुष्प की अभिलाषा' यह .... की कविता है।

i) देशप्रेम ii) मातृप्रेम iii) पितृप्रेम iv) भातृप्रेम

घ) .... लोग महान होते हैं।

i) महात्मा ii) वीर iii) शूर iv) कायर

उत्तर – (क) iv) माखनलाल चतुर्वेदी

(ख) ii) वनमाली

(ग) i) देशप्रेम

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

(घ) ii) वीर

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क) पुष्प किसके गहनों में गूँथना नहीं चाहता ?

उ - पुष्प अप्सराओं के गहनों में गूँथना नहीं चाहता।

ख) पुष्प किसके सिर पर चढ़ना नहीं चाहता ?

उ - पुष्प देवताओं के सिर पर चढ़ना नहीं चाहता।

ग) पुष्प किसे तोड़ने के लिए कह रहा है ?

उ - पुष्प वनमाली को तोड़ने के लिए कह रहा है।

घ) पुष्प किसके चरणों में चढ़ना चाहता है ?

उ - पुष्प वीरों के चरणों में चढ़ना चाहता है।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए –

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

क) 'चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

उ - इस कविता के माध्यम से कवि ने यह बताने की कोशिश कि है कि पुष्प जिसका प्राकृतिक इस्तमाल सुंदर स्त्रियों पर सुशोभित होना, प्रेमिकाओं के गले की माला बनना है वह वास्तव में यह नहीं चाहता। वह देशप्रेमी वीरों को ही महान मानता है, न कि देवकन्या या और किसी को।

ख) मातृभूमि पर शीश चढ़ाने का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

उ - कवि यहाँ कहते हैं कि – मातृभूमि हमारे लिए सर्वप्रथम है। उसकी सेवा करना हमारा प्रथम कर्त्तव्य है। जो अपनी मातृभूमि की सेवा में अपने प्राण त्याग कर देते हैं, वे सबसे अधिक महान हैं । उनके चरण छू लेने मात्र से ही हम सौभाग्यशाली बन जाते हैं।

भाषाज्ञान

१.

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
ग्राम	गाँव	कर्ण	कान
दुग्ध	दूध	गृह	घर
चंद्र	चाँद	गौ	गाय
शत	सौ	सप्त	सात

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow